हिंदी साहित्य चैनल

store.hindisahity.com

ई-बुक (PDF)

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग

द्वारा आयोजित

UP PGT

प्रवक्ता चयन परीक्षा

नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार

हिंदी

10 मॉक टेस्ट पेपर्स | 1000 प्रश्न

ई-बुक (PDF) • नई अंक योजना (+3 / −1) पर आधारित

- OMR उत्तर-पत्रक सहित
- उत्तर-कुंजी एवं विस्तृत व्याख्या
- 8 खंडों में पूरा पाठ्यक्रम

लेखक : केवल कृष्ण घोड़ेला

store.hindisahity.com

UP PGT हिंदी : मॉक टेस्ट पेपर सेट (ई-बुक)

10 मॉक टेस्ट • 1000 प्रश्न • OMR, उत्तर-कुंजी और हर प्रश्न की व्याख्या सहित



लेखक परिचय

केवल कृष्ण घोड़ेला

एम.ए., बी.एड. (नेट हिंदी) • सहायक आचार्य • श्रीगंगानगर (राजस्थान)

संचालक : हिंदी साहित्य चैनल। UGC NET/JRF, SET, TGT, PGT, RPSC आदि परीक्षाओं के लिए वर्षों से हिंदी पढ़ा रहे हैं।

वेबसाइट : hindisahity.com • **स्टोर :** store.hindisahity.com

YouTube : @Hindisahityachannel • **Telegram :** t.me/hindisahitychannel • **WhatsApp : 9680260474**

© सर्वाधिकार सुरक्षित (All Rights Reserved)

लेखक एवं संकलनकर्ता : केवल कृष्ण घोड़ेला • प्रस्तुति एवं प्रकाशन : हिंदी साहित्य चैनल, श्रीगंगानगर • संस्करण : 2026-27

यह ई-बुक (मॉक टेस्ट पेपर सेट) केवल कृष्ण घोड़ेला द्वारा तैयार की गई है और हिंदी साहित्य चैनल (store.hindisahity.com) द्वारा प्रकाशित है। इसके प्रश्न, विकल्प, तालिकाएँ और व्याख्याएँ लेखक की बौद्धिक संपदा हैं, जो प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 के अंतर्गत सुरक्षित हैं।

यह PDF केवल ख़रीदार के व्यक्तिगत अध्ययन के लिए है। लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसे या इसके किसी अंश को कॉपी, प्रिंट या फ़ोटोकॉपी करके बेचना या बाँटना; WhatsApp, Telegram, Facebook आदि किसी ग्रुप या चैनल में साझा करना; किसी वेबसाइट, ऐप, YouTube वीडियो या कोचिंग सामग्री में उपयोग करना पूर्णतः वर्जित है। ऐसा करने पर कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।

अस्वीकरण : प्रश्न-पत्र तैयार करने में पूरी सावधानी बरती गई है; जिन तथ्यों पर विद्वानों में मतभेद है, उन पर प्रश्न नहीं रखे गए हैं। फिर भी किसी त्रुटि के लिए लेखक या प्रकाशक उत्तरदायी नहीं होंगे। आधिकारिक जानकारी के लिए संबंधित आयोग की अधिसूचना देखें। कोई त्रुटि मिले तो WhatsApp 9680260474 पर अवश्य बताएँ, अगले संस्करण में सुधार कर दिया जाएगा।

इस ई-बुक में क्या-क्या है

10 पूर्ण मॉक टेस्ट पेपर • 1000 प्रश्न • हर पेपर के साथ OMR उत्तर-पत्रक, उत्तर-कुंजी और हर प्रश्न की व्याख्या

क्रम	मॉक टेस्ट पेपर	प्रश्न	पृष्ठ (से – तक)
1	मॉक टेस्ट पेपर – 1 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	4 – 16
2	मॉक टेस्ट पेपर – 2 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	17 – 28
3	मॉक टेस्ट पेपर – 3 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	29 – 40
4	मॉक टेस्ट पेपर – 4 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	41 – 52
5	मॉक टेस्ट पेपर – 5 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	53 – 64
6	मॉक टेस्ट पेपर – 6 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	65 – 76
7	मॉक टेस्ट पेपर – 7 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	77 – 88
8	मॉक टेस्ट पेपर – 8 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	89 – 100
9	मॉक टेस्ट पेपर – 9 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	101 – 112
10	मॉक टेस्ट पेपर – 10 (प्रश्न-पत्र, OMR, उत्तर-कुंजी, व्याख्या)	100	113 – 124
•	अन्य उपयोगी नोट्स एवं ई-बुक (अंतिम पृष्ठ)	—	125

(किसी पेपर के नाम पर क्लिक करके सीधे उस पेपर पर पहुँचें)

नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार खंड-विभाजन

हर मॉक टेस्ट UPESSC के नवीन PGT हिंदी पाठ्यक्रम के आठों भागों पर आधारित है। अंक योजना : सही उत्तर +3, गलत उत्तर –1।

खंड	पाठ्यक्रम का भाग और प्रमुख विषय	प्रश्न (प्रति पेपर)	अंक
खंड-क	**हिंदी साहित्य का इतिहास (काव्य)** आदिकाल से आधुनिक काल तक काव्य, इतिहास-लेखन, गीत-नवगीत, प्रसिद्ध काव्य-पंक्तियाँ	**24**	72
खंड-ख	**गद्य साहित्य** उपन्यास, कहानी, नाटक-एकांकी, निबंध, आलोचना, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी, इंटरव्यू, बाल-साहित्य	**24**	72
खंड-ग	**हिंदी पत्रकारिता** हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ और संपादक, पत्रकारिता की शब्दावली	**4**	12
खंड-घ	**काव्यशास्त्र** रस, छंद, अलंकार, शब्द-शक्ति, गुण-दोष, भारतीय और पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत	**12**	36
खंड-ङ	**भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा** हिंदी का विकास, उपभाषाएँ-बोलियाँ, ध्वनि-विज्ञान, देवनागरी लिपि, हिंदी की संवैधानिक स्थिति	**6**	18
खंड-च	**हिंदी व्याकरण** संधि, समास, उपसर्ग-प्रत्यय, शब्द-भेद, पर्याय-विलोम, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, शुद्ध वाक्य-वर्तनी	**18**	54
खंड-छ	**संस्कृत साहित्य** प्रमुख संस्कृत कवि-नाटककार और उनकी रचनाएँ	**7**	21
खंड-ज	**संस्कृत व्याकरण** शब्दरूप, धातुरूप, संधि, प्रत्यय, कारक-विभक्ति, अनुवाद	**5**	15
कुल	हिंदी विषय (सामान्य ज्ञान के 30 प्रश्न इस सेट में सम्मिलित नहीं)	**100**	**300**

अभ्यास कैसे करें :

1. हर पेपर को 100 मिनट की समय-सीमा में, परीक्षा की तरह एक ही बैठक में हल करें।
2. उत्तर पेपर के बाद दिए OMR उत्तर-पत्रक पर भरें; पूरा पेपर हल करने के बाद ही उत्तर-कुंजी देखें।
3. नेगेटिव मार्किंग (–1) का ध्यान रखें – जिन प्रश्नों में पक्का अनुमान न हो, उन्हें छोड़ना बेहतर है।
4. उत्तर-कुंजी के साथ दी गई खंड-वार तालिका में अपने अंक भरें और कमज़ोर खंड की व्याख्याएँ दोबारा पढ़ें।

उत्तर प्रदेश प्रवक्ता (PGT) हिंदी परीक्षा हेतु

UP PGT हिंदी

मॉक टेस्ट पेपर – 1

नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित 100 उच्च-स्तरीय प्रश्न

100 प्रश्न	उत्तर-कुंजी	OMR उत्तर-पत्रक
8 खंडों में बँटे हुए	हर प्रश्न की व्याख्या	असली परीक्षा जैसा अभ्यास

नई अंक योजना	कठिनाई का स्तर	नए पैटर्न के प्रश्न
सही उत्तर +3 • गलत उत्तर –1	20% सीधे • 40% मध्यम • 40% कठिन	कथन, सुमेलन, कालक्रम, अभिकथन-कारण

खंड

हिंदी साहित्य का इतिहास • गद्य साहित्य • हिंदी पत्रकारिता • काव्यशास्त्र
भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा • हिंदी व्याकरण • संस्कृत साहित्य • संस्कृत व्याकरण

लेखक
केवल कृष्ण घोड़ेला
एम.ए., बी.एड. (नेट हिंदी)
सहायक आचार्य, श्रीगंगानगर (राजस्थान)
संचालक : हिंदी साहित्य चैनल

store.hindisahity.com

प्रश्न-पत्र (पेपर – 1)

कुल प्रश्न : 100	पूर्णांक : 300	समय : 100 मिनट	अंक : +3 / −1

निर्देश :

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्पों (क), (ख), (ग), (घ) में से केवल एक सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए।
2. प्रत्येक सही उत्तर पर 3 अंक मिलेंगे और प्रत्येक गलत उत्तर पर 1 अंक काटा जाएगा। छोड़े गए प्रश्न पर कोई अंक नहीं।
3. यह पेपर केवल हिंदी विषय (90 प्रश्नों वाले भाग) के अभ्यास के लिए है; मुख्य परीक्षा के 30 सामान्य ज्ञान प्रश्न इसमें सम्मिलित नहीं हैं।
4. उत्तर पेपर के बाद दिए गए OMR उत्तर-पत्रक पर भरें और पूरा पेपर हल करने के बाद ही उत्तर-कुंजी से मिलाएँ।

खंड-क	खंड-ख	खंड-ग	खंड-घ	खंड-ङ	खंड-च	खंड-छ	खंड-ज
24 प्रश्न	24 प्रश्न	4 प्रश्न	12 प्रश्न	6 प्रश्न	18 प्रश्न	7 प्रश्न	5 प्रश्न

खंड-क : हिंदी साहित्य का इतिहास (काव्य)

1. सूची-I (इतिहास-ग्रंथ) को सूची-II (इतिहासकार) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (ग्रंथ)	सूची-II (इतिहासकार)
(A) हिंदी साहित्य की भूमिका	(1) गणपतिचंद्र गुप्त
(B) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	(2) विश्वनाथप्रसाद मिश्र
(C) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(D) हिंदी साहित्य का अतीत	(4) रामकुमार वर्मा

कूट :
(क) A-1, B-4, C-3, D-2 **(ख)** A-4, B-3, C-1, D-2
(ग) A-3, B-4, C-2, D-1 **(घ)** A-3, B-4, C-1, D-2

2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने वीरगाथा काल की जिन बारह रचनाओं को आधार बनाया, उनमें से किसे 'अपभ्रंश काव्य' की श्रेणी में रखा?
(क) परमाल रासो **(ख)** कीर्तिलता
(ग) बीसलदेव रासो **(घ)** जयचंद प्रकाश

3. सिद्ध साहित्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
I. राहुल सांकृत्यायन ने चौरासी सिद्धों में सरहपा को प्रथम सिद्ध माना है।
II. सिद्धों की भाषा को 'संधा भाषा' कहा गया है।
III. सिद्ध साहित्य बौद्ध धर्म की वज्रयान शाखा से संबंधित है।
IV. 'चर्यापद' नाथपंथी योगियों की रचनाओं का संग्रह है।
सही कथन चुनिए :
(क) केवल I, II और III **(ख)** केवल II, III और IV
(ग) I, II, III और IV **(घ)** केवल I और II

4. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना जैन कवि स्वयंभू की नहीं है?
(क) पउमचरिउ **(ख)** महापुराण
(ग) स्वयंभूछंद **(घ)** रिट्ठणेमिचरिउ

5. "भल्ला हुआ जु मारिया बहिणि म्हारा कंतु।" – यह प्रसिद्ध दोहा किस ग्रंथ में संकलित है?
(क) संदेश रासक **(ख)** प्राकृत पैंगलम्
(ग) सिद्धहेमशब्दानुशासन **(घ)** कीर्तिलता

6. सूची-I (आदिकालीन रचना) को सूची-II (रचनाकार) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (रचना)	सूची-II (रचनाकार)
(A) संदेश रासक	(1) नरपति नाल्ह
(B) परमाल रासो	(2) दलपति विजय
(C) बीसलदेव रासो	(3) अब्दुर्रहमान
(D) खुमाण रासो	(4) जगनिक

कूट :
(क) A-3, B-4, C-1, D-2 **(ख)** A-3, B-4, C-2, D-1
(ग) A-3, B-1, C-4, D-2 **(घ)** A-4, B-3, C-1, D-2

7. अष्टछाप के निम्नलिखित कवियों में से कौन वल्लभाचार्य का शिष्य नहीं था?
(क) कुंभनदास **(ख)** परमानंददास
(ग) नंददास **(घ)** कृष्णदास

8. "संतन को कहा सीकरी सों काम।" – यह पंक्ति किस कवि की है?
(क) नंददास **(ख)** सूरदास
(ग) कुंभनदास **(घ)** परमानंददास

9. निम्नलिखित सूफी प्रेमाख्यानों को रचनाकाल के अनुसार पहले से बाद के क्रम में व्यवस्थित कीजिए :
(A) पद्मावत
(B) चित्रावली
(C) चंदायन
(D) मृगावती
सही क्रम चुनिए :
(क) C, D, B, A **(ख)** D, C, A, B
(ग) C, A, D, B **(घ)** C, D, A, B

10. रामभक्ति शाखा से संबंधित निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?
(क) भक्तमाल – नाभादास **(ख)** रामचंद्रिका – केशवदास
(ग) ध्यानमंजरी – अग्रदास **(घ)** रामललानहछू – नाभादास

11. नीचे दो कथन दिए गए हैं – एक अभिकथन (A) और दूसरा कारण (R) :

अभिकथन (A) : कबीर की भाषा को 'सधुक्कड़ी' अथवा 'पंचमेल खिचड़ी' कहा गया है।

कारण (R) : कबीर ने देश के अनेक भागों का भ्रमण किया था और साधु-संगति के कारण उनकी भाषा में विभिन्न बोलियों के शब्द घुल-मिल गए।

सही विकल्प चुनिए :

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(ख) A और R दोनों सही हैं, किंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) A सही है, किंतु R गलत है।
(घ) A गलत है, किंतु R सही है।

12. निम्नलिखित में से कौन 'रीतिसिद्ध' कवि माना जाता है?

(क) केशवदास **(ख)** देव
(ग) बोधा **(घ)** बिहारी

13. "अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।" – यह पंक्ति किस रीतिमुक्त कवि की है?

(क) घनानंद **(ख)** ठाकुर
(ग) बोधा **(घ)** आलम

14. सूची-I (रीतिकाल का नाम) को सूची-II (नामकर्ता) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (नाम)	सूची-II (विद्वान)
(A) अलंकृत काल	(1) रामचंद्र शुक्ल
(B) शृंगार काल	(2) रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'
(C) रीतिकाल	(3) मिश्रबंधु
(D) कला काल	(4) विश्वनाथप्रसाद मिश्र

कूट :
(क) A-2, B-4, C-1, D-3 **(ख)** A-3, B-4, C-1, D-2
(ग) A-4, B-3, C-1, D-2 **(घ)** A-3, B-4, C-2, D-1

15. 'प्रियप्रवास' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. यह अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है।
II. इसमें संस्कृत के वर्णिक वृत्तों का प्रयोग हुआ है।
III. इसकी रचना ब्रजभाषा में हुई है।
IV. इसमें कृष्ण को लोकसेवक के रूप में चित्रित किया गया है।

सही कथन चुनिए :

(क) केवल II, III और IV **(ख)** केवल I, II और IV
(ग) केवल I, II और III **(घ)** केवल I और III

16. "बीती विभावरी जाग री!" – जयशंकर प्रसाद का यह जागरण-गीत उनके किस काव्य-संग्रह में संकलित है?

(क) लहर **(ख)** कानन कुसुम
(ग) झरना **(घ)** आँसू

17. जयशंकर प्रसाद की निम्नलिखित काव्य-कृतियों को प्रकाशन-क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) कामायनी
(B) आँसू
(C) लहर
(D) झरना

सही क्रम चुनिए :

(क) D, B, A, C **(ख)** B, D, C, A
(ग) D, C, B, A **(घ)** D, B, C, A

18. अज्ञेय द्वारा संपादित 'तारसप्तक' (1943) में निम्नलिखित में से कौन-सा कवि सम्मिलित नहीं था?

(क) प्रभाकर माचवे **(ख)** शमशेर बहादुर सिंह
(ग) गिरिजाकुमार माथुर **(घ)** रामविलास शर्मा

19. बुद्धिजीवी के आत्मसंघर्ष, अभिव्यक्ति के ख़तरे उठाने और 'मठ-गढ़' तोड़ने के आह्वान वाली मुक्तिबोध की प्रसिद्ध लंबी कविता है :

(क) ब्रह्मराक्षस
(ख) अँधेरे में
(ग) भूल-ग़लती
(घ) एक भूतपूर्व विद्रोही का आत्म-कथन

20. 'नवगीत' नाम पहली बार किस संकलन (1958) के माध्यम से प्रमुखता से सामने आया, और उसके संपादक कौन थे?

(क) कविता-64 – ओम प्रभाकर
(ख) गीतांगिनी – राजेंद्र प्रसाद सिंह
(ग) पाँच जोड़ बाँसुरी – चंद्रदेव सिंह
(घ) नवगीत दशक – शंभुनाथ सिंह

21. नीचे दो कथन दिए गए हैं – एक अभिकथन (A) और दूसरा कारण (R) :

अभिकथन (A) : आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने हिंदी साहित्य के आरंभिक काल को 'वीरगाथा काल' कहा।

कारण (R) : उन्होंने इस काल की जिन बारह रचनाओं को आधार माना, उनमें से अधिकांश वीरगाथात्मक थीं।

सही विकल्प चुनिए :

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(ख) A और R दोनों सही हैं, किंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) A सही है, किंतु R गलत है।
(घ) A गलत है, किंतु R सही है।

22. सूची-I (उपनाम) को सूची-II (कवि) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (उपनाम)	सूची-II (कवि)
(A) प्रेमघन	(1) माखनलाल चतुर्वेदी
(B) नवीन	(2) रामधारी सिंह
(C) दिनकर	(3) बदरीनारायण चौधरी
(D) एक भारतीय आत्मा	(4) बालकृष्ण शर्मा

कूट :
(क) A-3, B-4, C-2, D-1 **(ख)** A-3, B-2, C-4, D-1
(ग) A-3, B-4, C-1, D-2 **(घ)** A-4, B-3, C-2, D-1

23. "हम कौन थे, क्या हो गए हैं, और क्या होंगे अभी।" – यह पंक्ति मैथिलीशरण गुप्त की किस कृति की है?

(क) जयद्रथ वध **(ख)** साकेत
(ग) भारत-भारती **(घ)** यशोधरा

24. "सीय राममय सब जग जानी। करउँ प्रनाम जोरि जुग पानी॥" – यह चौपाई 'रामचरितमानस' के किस कांड में है?

(क) बालकांड **(ख)** अयोध्याकांड
(ग) उत्तरकांड **(घ)** अरण्यकांड

खंड-ख : गद्य साहित्य

25. निम्नलिखित उपन्यासों को प्रकाशन-क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) मैला आँचल
(B) राग दरबारी
(C) त्यागपत्र
(D) शेखर : एक जीवनी (भाग-1)

सही क्रम चुनिए :

(क) C, D, B, A **(ख)** C, A, D, B
(ग) C, D, A, B **(घ)** D, C, A, B

26. सूची-I (कहानी) को सूची-II (कहानीकार) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (कहानी)	सूची-II (कहानीकार)
(A) उसने कहा था	(1) निर्मल वर्मा
(B) आकाशदीप	(2) जैनेंद्र कुमार
(C) पाजेब	(3) जयशंकर प्रसाद
(D) परिंदे	(4) चंद्रधर शर्मा गुलेरी

कूट :
(क) A-4, B-3, C-1, D-2 **(ख)** A-4, B-2, C-3, D-1
(ग) A-4, B-3, C-2, D-1 **(घ)** A-3, B-4, C-2, D-1

27. 'नई कहानी' आंदोलन की प्रसिद्ध 'त्रयी' में निम्नलिखित में से कौन सम्मिलित नहीं है?

(क) कमलेश्वर **(ख)** मोहन राकेश
(ग) राजेंद्र यादव **(घ)** भीष्म साहनी

28. मोहन राकेश के नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' का पात्र निम्नलिखित में से कौन नहीं है?

(क) विलोम **(ख)** मल्लिका
(ग) अंबिका **(घ)** सुंदरी

29. जयशंकर प्रसाद के नाटक 'ध्रुवस्वामिनी' के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है?

(क) शकराज का वध चंद्रगुप्त करता है।
(ख) रामगुप्त, ध्रुवस्वामिनी का पति है।
(ग) इसमें नारी के पुनर्विवाह (मोक्ष) की समस्या उठाई गई है।
(घ) यह प्रसाद का पहला नाटक है।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा निबंध आचार्य रामचंद्र शुक्ल का नहीं है?

(क) लोभ और प्रीति **(ख)** श्रद्धा-भक्ति
(ग) कविता क्या है **(घ)** कुटज

31. "वैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।" – यह कथन आचार्य शुक्ल के किस निबंध में है?

(क) लोभ और प्रीति **(ख)** क्रोध
(ग) घृणा **(घ)** ईर्ष्या

32. सूची-I (आलोचना-ग्रंथ) को सूची-II (आलोचक) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (ग्रंथ)	सूची-II (आलोचक)
(A) कविता के नए प्रतिमान	(1) डॉ. नगेंद्र
(B) रस-मीमांसा	(2) नंददुलारे वाजपेयी
(C) आधुनिक साहित्य	(3) रामचंद्र शुक्ल
(D) आस्था के चरण	(4) नामवर सिंह

कूट :
(क) A-4, B-3, C-1, D-2 **(ख)** A-4, B-3, C-2, D-1
(ग) A-4, B-2, C-3, D-1 **(घ)** A-3, B-4, C-2, D-1

33. "छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।" – यह कथन किस आलोचक का है?

(क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल **(ख)** डॉ. नगेंद्र
(ग) नंददुलारे वाजपेयी **(घ)** शांतिप्रिय द्विवेदी

34. जीवनी और उसके नायक के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(क) निराला की साहित्य साधना – निराला
(ख) आवारा मसीहा – रवींद्रनाथ ठाकुर
(ग) कलम का सिपाही – प्रेमचंद
(घ) कलम का मज़दूर – प्रेमचंद

35. सूची-I (आत्मकथा) को सूची-II (लेखक) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (आत्मकथा)	सूची-II (लेखक)
(A) क्या भूलूँ क्या याद करूँ	(1) राहुल सांकृत्यायन
(B) अपनी खबर	(2) ओमप्रकाश वाल्मीकि
(C) जूठन	(3) पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
(D) मेरी जीवन यात्रा	(4) हरिवंशराय बच्चन

कूट :
(क) A-4, B-3, C-2, D-1 **(ख)** A-3, B-4, C-2, D-1
(ग) A-4, B-3, C-1, D-2 **(घ)** A-4, B-2, C-3, D-1

36. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति महादेवी वर्मा की नहीं है?

(क) स्मृति की रेखाएँ **(ख)** पथ के साथी
(ग) माटी की मूरतें **(घ)** अतीत के चलचित्र

37. यात्रावृत्त और लेखक के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(क) चीड़ों पर चाँदनी – अज्ञेय
(ख) अरे यायावर रहेगा याद – अज्ञेय
(ग) मेरी तिब्बत यात्रा – राहुल सांकृत्यायन
(घ) आख़िरी चट्टान तक – मोहन राकेश

38. बंगाल के अकाल की पृष्ठभूमि पर लिखे गए रिपोर्ताज 'तूफ़ानों के बीच' के लेखक हैं :

(क) प्रकाशचंद्र गुप्त **(ख)** रांगेय राघव
(ग) फणीश्वरनाथ रेणु **(घ)** शिवदान सिंह चौहान

39. 'एक साहित्यिक की डायरी' के लेखक कौन हैं?

(क) धर्मवीर भारती **(ख)** अज्ञेय
(ग) गजानन माधव मुक्तिबोध **(घ)** मोहन राकेश

40. हिंदी के प्रसिद्ध भेंटवार्ता (इंटरव्यू) संग्रह 'मैं इनसे मिला' के लेखक हैं :

(क) रणवीर रांग्रा **(ख)** विष्णु प्रभाकर
(ग) पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश' **(घ)** बनारसीदास चतुर्वेदी

41. निम्नलिखित में से कौन-सी पत्रिका मुख्य रूप से बाल-साहित्य से संबंधित रही है?

(क) बालसखा **(ख)** सरस्वती
(ग) माधुरी **(घ)** हंस

42. हिंदी के आरंभिक गद्यगीत-संग्रह 'साधना' के रचनाकार हैं :

(क) रायकृष्णदास **(ख)** वियोगी हरि
(ग) चतुरसेन शास्त्री **(घ)** माखनलाल चतुर्वेदी

43. निम्नलिखित में से कौन 'मैला आँचल' का पात्र नहीं है?

(क) डॉ. प्रशांत **(ख)** सिरचन
(ग) कमली **(घ)** बावनदास

44. नीचे दो कथन दिए गए हैं – एक अभिकथन (A) और दूसरा कारण (R) :

अभिकथन (A) : प्रेमचंद के 'गोदान' को भारतीय किसान-जीवन का महाकाव्य कहा जाता है।

कारण (R) : इसमें होरी के माध्यम से किसान के ऋण, शोषण और संघर्ष का व्यापक चित्रण हुआ है।

सही विकल्प चुनिए :

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(ख) A और R दोनों सही हैं, किंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) A सही है, किंतु R गलत है।
(घ) A गलत है, किंतु R सही है।

45. निम्नलिखित नाटकों को रचनाकाल के अनुसार क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) अंधा युग
(B) भारत दुर्दशा
(C) आषाढ़ का एक दिन
(D) चंद्रगुप्त

सही क्रम चुनिए :

(क) B, A, D, C **(ख)** B, D, C, A
(ग) B, D, A, C **(घ)** D, B, A, C

46. ललित निबंध-संग्रह और निबंधकार के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(क) तुम चंदन हम पानी – हजारीप्रसाद द्विवेदी
(ख) कल्पलता – हजारीप्रसाद द्विवेदी
(ग) छितवन की छाँह – विद्यानिवास मिश्र
(घ) प्रिया नीलकंठी – कुबेरनाथ राय

47. 'प्रेमचंद और उनका युग' नामक आलोचना-ग्रंथ के लेखक हैं :

(क) रामविलास शर्मा **(ख)** शिवदान सिंह चौहान
(ग) प्रकाशचंद्र गुप्त **(घ)** नामवर सिंह

48. 1935 में प्रकाशित एकांकी-संग्रह 'कारवाँ' के रचनाकार हैं :

(क) भुवनेश्वर **(ख)** उपेंद्रनाथ 'अश्क'
(ग) उदयशंकर भट्ट **(घ)** रामकुमार वर्मा

खंड-ग : हिंदी पत्रकारिता

49. 'उदंत मार्तंड' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. इसे हिंदी का पहला समाचार-पत्र माना जाता है।
II. इसका प्रकाशन कलकत्ता से हुआ था।
III. इसके संपादक पं. जुगलकिशोर शुक्ल थे।
IV. यह एक दैनिक पत्र था।

सही कथन चुनिए :

(क) केवल I, II और III **(ख)** केवल II, III और IV
(ग) केवल I और II **(घ)** I, II, III और IV

50. भारतेंदु युग के पत्र-पत्रिका और संपादक के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(क) कविवचनसुधा – भारतेंदु हरिश्चंद्र
(ख) ब्राह्मण – प्रतापनारायण मिश्र
(ग) हिंदी प्रदीप – बालकृष्ण भट्ट
(घ) आनंद कादंबिनी – राधाचरण गोस्वामी

51. आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी ने 'सरस्वती' पत्रिका का संपादन किस वर्ष से संभाला?

(क) 1900 **(ख)** 1905
(ग) 1920 **(घ)** 1903

52. हिंदी का पहला दैनिक समाचार-पत्र किसे माना जाता है?

(क) प्रजामित्र **(ख)** समाचार सुधावर्षण
(ग) उदंत मार्तंड **(घ)** बनारस अख़बार

खंड-घ : काव्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)

53. सूची-I (रस-सूत्र के व्याख्याता) को सूची-II (मत) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (आचार्य)	सूची-II (मत)
(A) भट्ट लोल्लट	(1) अभिव्यक्तिवाद
(B) शंकुक	(2) भुक्तिवाद
(C) भट्टनायक	(3) अनुमितिवाद
(D) अभिनवगुप्त	(4) उत्पत्तिवाद

कूट :

(क) A-4, B-2, C-3, D-1 **(ख)** A-4, B-3, C-2, D-1
(ग) A-4, B-3, C-1, D-2 **(घ)** A-3, B-4, C-2, D-1

54. काव्यशास्त्रीय संप्रदाय और प्रवर्तक के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही नहीं है?

(क) अलंकार संप्रदाय – कुंतक
(ख) ध्वनि संप्रदाय – आनंदवर्धन
(ग) रीति संप्रदाय – वामन
(घ) औचित्य संप्रदाय – क्षेमेंद्र

55. "उस काल मारे क्रोध के, तनु काँपने उसका लगा।" – इस पंक्ति में कौन-सा रस है?

(क) भयानक **(ख)** वीर
(ग) रौद्र **(घ)** वीभत्स

56. "रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरै, मोती मानुस चून॥" – इसमें प्रमुख अलंकार है :

(क) अनुप्रास **(ख)** यमक
(ग) श्लेष **(घ)** वक्रोक्ति

57. "बिनु पद चलै सुनै बिनु काना। कर बिनु करम करै बिधि नाना॥" – इन पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

(क) असंगति **(ख)** विभावना
(ग) विशेषोक्ति **(घ)** विरोधाभास

58. जिस मात्रिक छंद के विषम (पहले-तीसरे) चरणों में 11 और सम (दूसरे-चौथे) चरणों में 13 मात्राएँ होती हैं, वह है :

(क) उल्लाला **(ख)** सोरठा
(ग) दोहा **(घ)** बरवै

59. 'कुंडलिया' छंद किन दो छंदों के योग से बनता है?

(क) दोहा + रोला **(ख)** सोरठा + रोला
(ग) रोला + उल्लाला **(घ)** दोहा + चौपाई

60. शब्द-शक्ति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. अभिधा से शब्द का मुख्यार्थ (वाच्यार्थ) प्राप्त होता है।
II. लक्षणा के लिए मुख्यार्थ का बाधित होना आवश्यक है।
III. व्यंजना शक्ति की प्रतिष्ठा ध्वनिवादी आचार्यों ने की।
IV. लक्षणा के मूल में रूढ़ि अथवा प्रयोजन होता है।

सही कथन चुनिए :

(क) केवल II, III और IV **(ख)** केवल I और II
(ग) I, II, III और IV **(घ)** केवल I, II और III

61. जिस काव्य-गुण में ट-वर्गीय वर्णों, द्वित्व और संयुक्ताक्षरों की अधिकता होती है तथा चित्त में उत्तेजना उत्पन्न होती है, वह है :

(क) प्रसाद **(ख)** समता
(ग) ओज **(घ)** माधुर्य

62. व्याकरण के नियमों के विरुद्ध शब्द-प्रयोग होने पर कौन-सा काव्य-दोष माना जाता है?

(क) श्रुतिकटुत्व **(ख)** अप्रतीतत्व
(ग) च्युतसंस्कृति **(घ)** ग्राम्यत्व

63. सूची-I (पाश्चात्य सिद्धांत) को सूची-II (प्रवर्तक/चिंतक) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (सिद्धांत)	सूची-II (चिंतक)
(A) विरेचन सिद्धांत	(1) कॉलरिज
(B) उदात्त सिद्धांत	(2) टी. एस. इलियट
(C) वस्तुनिष्ठ समीकरण	(3) लोंजाइनस
(D) कल्पना और ललित कल्पना (Imagination–Fancy)	(4) अरस्तू

कूट :

(क) A-4, B-3, C-2, D-1 **(ख)** A-3, B-4, C-2, D-1
(ग) A-4, B-3, C-1, D-2 **(घ)** A-4, B-2, C-3, D-1

64. नीचे दो कथन दिए गए हैं – एक अभिकथन (A) और दूसरा कारण (R) :

अभिकथन (A) : आनंदवर्धन ने ध्वनि को काव्य की आत्मा माना।
कारण (R) : 'वक्रोक्तिजीवित' के रचयिता कुंतक ने भी ध्वनि को ही काव्य का सर्वस्व स्वीकार किया।

सही विकल्प चुनिए :

(क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(ख) A और R दोनों सही हैं, किंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) A सही है, किंतु R गलत है।
(घ) A गलत है, किंतु R सही है।

खंड-ङ : भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा

65. निम्नलिखित में से कौन-सी बोली पश्चिमी हिंदी के अंतर्गत नहीं आती?

(क) हरियाणवी **(ख)** कन्नौजी
(ग) अवधी **(घ)** बुंदेली

66. 'भोजपुरी' हिंदी की किस उपभाषा वर्ग की बोली है?

(क) बिहारी **(ख)** पश्चिमी हिंदी
(ग) पूर्वी हिंदी **(घ)** राजस्थानी

67. 'घ, झ, ढ, ध, भ' – ये व्यंजन किस वर्ग में आते हैं?

(क) सघोष अल्पप्राण **(ख)** अघोष अल्पप्राण
(ग) सघोष महाप्राण **(घ)** अघोष महाप्राण

68. ध्वनि और उच्चारण-स्थान के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही नहीं है?

(क) ष – मूर्धन्य **(ख)** स – दंत्य
(ग) श – तालव्य **(घ)** व – कंठ्य

69. देवनागरी लिपि के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. इसका विकास ब्राह्मी लिपि से हुआ है।
II. यह बाएँ से दाएँ लिखी जाती है।
III. यह मूलतः अक्षरात्मक (आक्षरिक) लिपि है।
IV. रोमन लिपि की तरह इसमें भी बड़े (कैपिटल) और छोटे अक्षरों का भेद होता है।

सही कथन चुनिए :

(क) केवल I और II **(ख)** केवल I, II और III
(ग) केवल II, III और IV **(घ)** I, II, III और IV

70. 'गँवार' शब्द का मूल अर्थ 'गाँव का निवासी' था, किंतु अब यह 'असभ्य' के अर्थ में प्रयुक्त होता है। यह अर्थ-परिवर्तन की कौन-सी दिशा है?

(क) अर्थापकर्ष **(ख)** अर्थ-विस्तार
(ग) अर्थ-संकोच **(घ)** अर्थोत्कर्ष

खंड-च : हिंदी व्याकरण

71. 'उज्ज्वल' शब्द का सही संधि-विच्छेद है :

(क) उज + ज्वल **(ख)** उज् + ज्वल
(ग) उद् + ज्वल **(घ)** उत् + ज्वल

72. निम्नलिखित संधि-विच्छेदों में से कौन-सा गलत है?

(क) नाविक = नौ + इक **(ख)** भावुक = भो + उक
(ग) पवित्र = पो + इत्र **(घ)** नयन = ने + अन

73. निम्नलिखित में से कौन-सा द्विगु समास का उदाहरण नहीं है?

(क) चौराहा **(ख)** नीलकमल
(ग) नवरात्र **(घ)** त्रिलोक

74. 'चक्रपाणि' में कौन-सा समास है?

(क) तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय
(ग) द्वंद्व **(घ)** बहुव्रीहि

75. निम्नलिखित में से किस शब्द में दो उपसर्गों का प्रयोग हुआ है?

(क) अभियोग **(ख)** अभ्यागत
(ग) अनुराग **(घ)** प्रयोग

76. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रत्यय भाववाचक संज्ञा बनाने वाला नहीं है?

(क) आस (जैसे – मिठास) **(ख)** पन (जैसे – बचपन)
(ग) इया (जैसे – डिबिया) **(घ)** आहट (जैसे – घबराहट)

77. तत्सम-तद्भव के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही नहीं है?

(क) श्रेष्ठी – सेठ **(ख)** उष्ट्र – ऊँट
(ग) सूचि – सुई **(घ)** हस्त – हाथी

78. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'कमल' का पर्यायवाची नहीं है?

(क) सरोज **(ख)** पंकज
(ग) जलद **(घ)** जलज

79. विलोम शब्दों के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा असंगत है?

(क) उत्कर्ष – अपकर्ष **(ख)** आविर्भाव – तिरोभाव
(ग) अनुलोम – प्रतिकूल **(घ)** अनुराग – विराग

80. 'आकाश को चूमने वाला' – वाक्यांश के लिए एक शब्द है :

(क) नभचर **(ख)** आकाशवृत्ति
(ग) व्योमकेश **(घ)** गगनचुंबी

81. मुहावरा और अर्थ के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही नहीं है?

(क) गूलर का फूल होना – बहुत सुंदर होना
(ख) आँखें बिछाना – प्रेम से स्वागत करना
(ग) नाक रगड़ना – गिड़गिड़ाना
(घ) दाँत खट्टे करना – बुरी तरह परास्त करना

82. "का बरखा जब कृषी सुखाने।" – इस लोकोक्ति का आशय है :

(क) वर्षा से खेती अच्छी होती है
(ख) अवसर बीत जाने पर साधन व्यर्थ होता है
(ग) लालच बुरी बला है
(घ) परिश्रम का फल मीठा होता है

83. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य चुनिए :

(क) कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें।
(ख) मैंने उसे एक पुस्तक दिया।
(ग) पिताजी कल दिल्ली जाएँगे।
(घ) वह प्रातःकाल के समय टहलता है।

84. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है :

(क) अनाधिकार **(ख)** महत्त्व
(ग) उज्वल **(घ)** सन्यासी

85. निम्नलिखित में से किस वाक्य में अपादान कारक है?

(क) मोहन से पढ़ा नहीं जाता।
(ख) वह बस से आया।
(ग) पेड़ से पत्ते गिरते हैं।
(घ) राम ने बाण से रावण को मारा।

86. "मुझसे चला नहीं जाता।" – यह वाक्य किस वाच्य में है?

(क) कर्मवाच्य **(ख)** कर्तृ-कर्म वाच्य
(ग) कर्तृवाच्य **(घ)** भाववाच्य

87. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द पुल्लिंग है?

(क) दही **(ख)** चाय
(ग) सरसों **(घ)** आत्मा

88. "जो परिश्रम करता है, वह सफल होता है।" – रचना के आधार पर यह वाक्य है :

(क) विधानवाचक सरल वाक्य **(ख)** सरल वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य **(घ)** मिश्र वाक्य

खंड-छ : संस्कृत साहित्य

89. सूची-I (संस्कृत नाटक) को सूची-II (नाटककार) से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (नाटक)	सूची-II (नाटककार)
(A) स्वप्नवासवदत्तम्	(1) भवभूति
(B) मुद्राराक्षसम्	(2) शूद्रक
(C) मृच्छकटिकम्	(3) विशाखदत्त
(D) उत्तररामचरितम्	(4) भास

कूट :
(क) A-4, B-3, C-1, D-2 **(ख)** A-3, B-4, C-2, D-1
(ग) A-4, B-2, C-3, D-1 **(घ)** A-4, B-3, C-2, D-1

90. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना कालिदास की नहीं है?

(क) किरातार्जुनीयम् **(ख)** मालविकाग्निमित्रम्
(ग) ऋतुसंहारम् **(घ)** मेघदूतम्

91. "उपमा कालिदासस्य भारवेरर्थगौरवम्। दण्डिनः पदलालित्यं माघे सन्ति त्रयो गुणाः॥" – इस उक्ति के अनुसार 'अर्थगौरव' किस कवि की विशेषता है?

(क) कालिदास **(ख)** माघ
(ग) दंडी **(घ)** भारवि

92. बाणभट्ट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. बाणभट्ट सम्राट हर्षवर्धन के सभाकवि थे।
II. 'कादंबरी' का उत्तर भाग बाण के पुत्र ने पूरा किया।
III. 'हर्षचरितम्' एक आख्यायिका है।
IV. 'दशकुमारचरितम्' बाणभट्ट की रचना है।
सही कथन चुनिए :

(क) केवल II, III और IV **(ख)** केवल I और II
(ग) I, II, III और IV **(घ)** केवल I, II और III

93. संस्कृत महाकाव्य और रचनाकार के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही नहीं है?

(क) शिशुपालवधम् – माघ
(ख) नैषधीयचरितम् – श्रीहर्ष
(ग) किरातार्जुनीयम् – माघ
(घ) बुद्धचरितम् – अश्वघोष

94. "एको रसः करुण एव निमित्तभेदात्।" – यह प्रसिद्ध उक्ति किस नाटककार की है?

(क) कालिदास **(ख)** भवभूति
(ग) शूद्रक **(घ)** भास

95. कालिदास के 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' में कितने अंक हैं?

(क) सात **(ख)** पाँच
(ग) दस **(घ)** छह

खंड-ज : संस्कृत व्याकरण

96. 'राम' शब्द का तृतीया विभक्ति बहुवचन रूप है :

(क) रामेभ्यः **(ख)** रामेषु
(ग) रामाणाम् **(घ)** रामैः

97. 'पठ्' धातु का लृट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन रूप है :

(क) पठिष्यति **(ख)** अपठत्
(ग) पठतु **(घ)** पठति

98. 'इत्यादि' में कौन-सी संधि है?

(क) गुण **(ख)** दीर्घ
(ग) वृद्धि **(घ)** यण्

99. "बालक विद्यालय जाता है।" – इस वाक्य का शुद्ध संस्कृत अनुवाद है :

(क) बालकः विद्यालयात् गच्छति।
(ख) बालकः विद्यालयं गच्छति।
(ग) बालकं विद्यालयं गच्छति।
(घ) बालकः विद्यालये गच्छति।

100. संस्कृत में 'नमः' शब्द के योग में कौन-सी विभक्ति होती है?

(क) द्वितीया **(ख)** षष्ठी
(ग) चतुर्थी **(घ)** तृतीया

store.hindisahity.com

OMR उत्तर-पत्रक

UP PGT हिंदी : मॉक टेस्ट पेपर – 1 • कुल प्रश्न : 100 • पूर्णांक : 300 • समय : 100 मिनट

अभ्यर्थी का नाम : _____	अनुक्रमांक : _____
दिनांक : _____	**सही ___ × 3 − गलत ___ × 1 = प्राप्तांक ____ / 300**

निर्देश : केवल काले या नीले बॉल-पेन से, हर प्रश्न के लिए केवल एक विकल्प वाला खाना पूरा भरिए। उत्तर भरने के बाद बदलिए नहीं।

प्र.	क	ख	ग	घ	प्र.	क	ख	ग	घ	प्र.	क	ख	ग	घ	प्र.	क	ख	ग	घ
1	क	ख	ग	घ	26	क	ख	ग	घ	51	क	ख	ग	घ	76	क	ख	ग	घ
2	क	ख	ग	घ	27	क	ख	ग	घ	52	क	ख	ग	घ	77	क	ख	ग	घ
3	क	ख	ग	घ	28	क	ख	ग	घ	53	क	ख	ग	घ	78	क	ख	ग	घ
4	क	ख	ग	घ	29	क	ख	ग	घ	54	क	ख	ग	घ	79	क	ख	ग	घ
5	क	ख	ग	घ	30	क	ख	ग	घ	55	क	ख	ग	घ	80	क	ख	ग	घ
6	क	ख	ग	घ	31	क	ख	ग	घ	56	क	ख	ग	घ	81	क	ख	ग	घ
7	क	ख	ग	घ	32	क	ख	ग	घ	57	क	ख	ग	घ	82	क	ख	ग	घ
8	क	ख	ग	घ	33	क	ख	ग	घ	58	क	ख	ग	घ	83	क	ख	ग	घ
9	क	ख	ग	घ	34	क	ख	ग	घ	59	क	ख	ग	घ	84	क	ख	ग	घ
10	क	ख	ग	घ	35	क	ख	ग	घ	60	क	ख	ग	घ	85	क	ख	ग	घ
11	क	ख	ग	घ	36	क	ख	ग	घ	61	क	ख	ग	घ	86	क	ख	ग	घ
12	क	ख	ग	घ	37	क	ख	ग	घ	62	क	ख	ग	घ	87	क	ख	ग	घ
13	क	ख	ग	घ	38	क	ख	ग	घ	63	क	ख	ग	घ	88	क	ख	ग	घ
14	क	ख	ग	घ	39	क	ख	ग	घ	64	क	ख	ग	घ	89	क	ख	ग	घ
15	क	ख	ग	घ	40	क	ख	ग	घ	65	क	ख	ग	घ	90	क	ख	ग	घ
16	क	ख	ग	घ	41	क	ख	ग	घ	66	क	ख	ग	घ	91	क	ख	ग	घ
17	क	ख	ग	घ	42	क	ख	ग	घ	67	क	ख	ग	घ	92	क	ख	ग	घ
18	क	ख	ग	घ	43	क	ख	ग	घ	68	क	ख	ग	घ	93	क	ख	ग	घ
19	क	ख	ग	घ	44	क	ख	ग	घ	69	क	ख	ग	घ	94	क	ख	ग	घ
20	क	ख	ग	घ	45	क	ख	ग	घ	70	क	ख	ग	घ	95	क	ख	ग	घ
21	क	ख	ग	घ	46	क	ख	ग	घ	71	क	ख	ग	घ	96	क	ख	ग	घ
22	क	ख	ग	घ	47	क	ख	ग	घ	72	क	ख	ग	घ	97	क	ख	ग	घ
23	क	ख	ग	घ	48	क	ख	ग	घ	73	क	ख	ग	घ	98	क	ख	ग	घ
24	क	ख	ग	घ	49	क	ख	ग	घ	74	क	ख	ग	घ	99	क	ख	ग	घ
25	क	ख	ग	घ	50	क	ख	ग	घ	75	क	ख	ग	घ	100	क	ख	ग	घ

उत्तर-कुंजी

1–20	21–40	41–60	61–80	81–100
1. (घ)	21. (क)	41. (क)	61. (ग)	81. (क)
2. (ख)	22. (क)	42. (क)	62. (ग)	82. (ख)
3. (क)	23. (ग)	43. (ख)	63. (क)	83. (ग)
4. (ख)	24. (क)	44. (क)	64. (ग)	84. (ख)
5. (ग)	25. (ग)	45. (ग)	65. (ग)	85. (ग)
6. (क)	26. (ग)	46. (क)	66. (क)	86. (घ)
7. (ग)	27. (घ)	47. (क)	67. (ग)	87. (क)
8. (ग)	28. (घ)	48. (क)	68. (घ)	88. (घ)
9. (घ)	29. (घ)	49. (क)	69. (ख)	89. (घ)
10. (घ)	30. (घ)	50. (घ)	70. (क)	90. (क)
11. (क)	31. (ख)	51. (घ)	71. (घ)	91. (घ)
12. (घ)	32. (ख)	52. (ख)	72. (ख)	92. (घ)
13. (क)	33. (ख)	53. (ख)	73. (ख)	93. (ग)
14. (ख)	34. (ख)	54. (क)	74. (घ)	94. (ख)
15. (ख)	35. (क)	55. (ग)	75. (ख)	95. (क)
16. (क)	36. (ग)	56. (ग)	76. (ग)	96. (घ)
17. (घ)	37. (क)	57. (ख)	77. (घ)	97. (क)
18. (ख)	38. (ख)	58. (ख)	78. (ग)	98. (घ)
19. (ख)	39. (ग)	59. (क)	79. (ग)	99. (ख)
20. (ख)	40. (ग)	60. (ग)	80. (घ)	100. (ग)

खंड-वार अंक-विश्लेषण : अपने सही और गलत उत्तर गिनकर नीचे लिखिए

खंड	प्रश्न	सही	गलत	अंक
खंड-क : हिंदी साहित्य का इतिहास (काव्य)	24			
खंड-ख : गद्य साहित्य	24			
खंड-ग : हिंदी पत्रकारिता	4			
खंड-घ : काव्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)	12			
खंड-ङ : भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा	6			
खंड-च : हिंदी व्याकरण	18			
खंड-छ : संस्कृत साहित्य	7			
खंड-ज : संस्कृत व्याकरण	5			

उत्तरमाला एवं व्याख्या

खंड-क : हिंदी साहित्य का इतिहास (काव्य)

1. उत्तर (घ) — हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी; आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा; वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त; हिंदी साहित्य का अतीत – आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र।

2. उत्तर (ख) — शुक्ल जी ने विजयपाल रासो, हम्मीर रासो, कीर्तिलता और कीर्तिपताका – इन चार को अपभ्रंश काव्य माना तथा खुमान रासो, बीसलदेव रासो, पृथ्वीराज रासो, जयचंद प्रकाश, जयमयंक जस चंद्रिका, परमाल रासो, खुसरो की पहेलियाँ और विद्यापति पदावली – इन आठ को देशभाषा काव्य।

3. उत्तर (क) — पहले तीन कथन सही हैं। 'चर्यापद' सिद्धों (बौद्ध वज्रयानी साधकों) के गीतों का संग्रह है, नाथपंथियों का नहीं; इसलिए कथन IV असत्य है।

4. उत्तर (ख) — पउमचरिउ (रामकथा), रिट्ठणेमिचरिउ (कृष्णकथा) और स्वयंभूछंद स्वयंभू की रचनाएँ हैं। 'महापुराण' अपभ्रंश कवि पुष्पदंत की रचना है।

5. उत्तर (ग) — यह दोहा आचार्य हेमचंद्र के व्याकरण-ग्रंथ 'सिद्धहेमशब्दानुशासन' (अपभ्रंश खंड) में उदाहरण के रूप में संकलित है। इसमें वीर पति की मृत्यु पर पत्नी का गर्व व्यक्त हुआ है।

6. उत्तर (क) — संदेश रासक – अब्दुर्रहमान (अद्दहमाण); परमाल रासो – जगनिक (इसी का लोक-रूप 'आल्हखंड' है); बीसलदेव रासो – नरपति नाल्ह; खुमाण रासो – दलपति विजय।

7. उत्तर (ग) — सूरदास, कुंभनदास, परमानंददास और कृष्णदास वल्लभाचार्य के शिष्य थे; नंददास, चतुर्भुजदास, गोविंदस्वामी और छीतस्वामी गोस्वामी विट्ठलनाथ के शिष्य थे। विट्ठलनाथ ने ही 1565 ई. के आसपास अष्टछाप की स्थापना की।

8. उत्तर (ग) — अष्टछाप के कवि कुंभनदास को अकबर ने फतेहपुर सीकरी बुलाया था; वहाँ से लौटकर उन्होंने यह पद कहा – "आवत जात पनहियाँ टूटीं, बिसरि गयो हरि नाम।"

9. उत्तर (घ) — चंदायन (मुल्ला दाऊद, 1379 ई.) → मृगावती (कुतुबन, 1503 ई.) → पद्मावत (जायसी, 1540 ई.) → चित्रावली (उसमान, 1613 ई.)।

10. उत्तर (घ) — 'रामललानहछू' गोस्वामी तुलसीदास की रचना है। रामकाव्य-परंपरा में तुलसी के अतिरिक्त अग्रदास (ध्यानमंजरी), नाभादास (भक्तमाल), केशवदास (रामचंद्रिका) आदि भी उल्लेखनीय हैं।

11. उत्तर (क) — आचार्य शुक्ल ने कबीर की भाषा को 'सधुक्कड़ी' कहा। उसमें खड़ी बोली, ब्रज, अवधी, राजस्थानी, पंजाबी आदि का मिश्रण है, जिसका कारण उनका भ्रमणशील साधु-जीवन है। अतः R, A की सही व्याख्या है।

12. उत्तर (घ) — रीतिकाल में लक्षण-ग्रंथ लिखने वाले 'रीतिबद्ध' (केशव, देव, भिखारीदास आदि), रीति-ज्ञान से युक्त पर लक्षण-ग्रंथ न लिखने वाले 'रीतिसिद्ध' (बिहारी, रसनिधि आदि) तथा रीति से मुक्त 'रीतिमुक्त' (घनानंद, बोधा, आलम, ठाकुर) कवि हुए।

13. उत्तर (क) — यह घनानंद का प्रसिद्ध सवैया है। इसी में आगे आता है – "तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ लला, मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं।" घनानंद को 'प्रेम की पीर' का कवि कहा जाता है।

14. उत्तर (ख) — अलंकृत काल – मिश्रबंधु; शृंगार काल – आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र; रीतिकाल – आचार्य रामचंद्र शुक्ल; कला काल – डॉ. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'।

15. उत्तर (ख) — 'प्रियप्रवास' (1914) खड़ी बोली में रचित है, ब्रजभाषा में नहीं; अतः कथन III असत्य है। इसमें वंशस्थ, मंदाक्रांता आदि संस्कृत वर्णवृत्त हैं और कृष्ण का लोकरक्षक-लोकसेवक रूप उभरा है।

16. उत्तर (क) — यह गीत प्रसाद के काव्य-संग्रह 'लहर' (1935) में संकलित है। इसी संग्रह में 'अरी वरुणा की शांत कछार', 'शेरसिंह का शस्त्र-समर्पण' जैसी रचनाएँ भी हैं।

17. उत्तर (घ) — झरना (1918) → आँसू (1925) → लहर (1935) → कामायनी (1936)।

18. उत्तर (ख) — तारसप्तक के सात कवि – मुक्तिबोध, नेमिचंद्र जैन, भारतभूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे, गिरिजाकुमार माथुर, रामविलास शर्मा और स्वयं अज्ञेय। शमशेर बहादुर सिंह 'दूसरा सप्तक' (1951) के कवि हैं।

19. उत्तर (ख) — 'अँधेरे में' मुक्तिबोध की लंबी कविता है, जो उनके संग्रह 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' में संकलित है। कविता में बुद्धिजीवी के आत्मसंघर्ष और अभिव्यक्ति के साहस का स्वर है।

20. उत्तर (ख) — राजेंद्र प्रसाद सिंह द्वारा संपादित 'गीतांगिनी' (1958) की भूमिका में 'नवगीत' शब्द का प्रयोग हुआ। बाद में शंभुनाथ सिंह ने 'नवगीत दशक' और 'नवगीत अर्धशती' जैसे संकलन निकाले।

21. उत्तर (क) — शुक्ल जी ने प्रवृत्ति-प्रधानता के आधार पर नामकरण किया; बारह में से अधिकांश रासो-ग्रंथ वीरगाथात्मक होने के कारण इस काल को 'वीरगाथा काल' कहा गया। अतः R, A की सही व्याख्या है।

22. उत्तर (क) — प्रेमघन – बदरीनारायण चौधरी; नवीन – बालकृष्ण शर्मा; दिनकर – रामधारी सिंह; एक भारतीय आत्मा – माखनलाल चतुर्वेदी।

23. उत्तर (ग) — 'भारत-भारती' (1912) के अतीत खंड की यह पंक्ति राष्ट्रीय जागरण का मंत्र बन गई। इसी कृति ने गुप्त जी को 'राष्ट्रकवि' की प्रतिष्ठा दिलाई।

24. उत्तर (क) — यह चौपाई बालकांड की वंदना-प्रकरण की है, जिसमें तुलसी समस्त जगत को सीताराममय मानकर प्रणाम करते हैं। रामचरितमानस में सात कांड हैं।

खंड-ख : गद्य साहित्य

25. उत्तर (ग) — त्यागपत्र (जैनेंद्र, 1937) → शेखर : एक जीवनी भाग-1 (अज्ञेय, 1941) → मैला आँचल (रेणु, 1954) → राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल, 1968)।

26. उत्तर (ग) — उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी; आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद; पाजेब – जैनेंद्र कुमार; परिंदे – निर्मल वर्मा (नई कहानी की प्रतिनिधि रचना)।

27. उत्तर (घ) — मोहन राकेश, कमलेश्वर और राजेंद्र यादव को नई कहानी की त्रयी कहा जाता है। भीष्म साहनी भी नई कहानी के महत्त्वपूर्ण कथाकार हैं, पर त्रयी में नहीं गिने जाते।

28. उत्तर (घ) — 'आषाढ़ का एक दिन' (1958) के पात्र – कालिदास, मल्लिका, अंबिका, विलोम, मातुल, प्रियंगुमंजरी आदि। 'सुंदरी' मोहन राकेश के दूसरे नाटक 'लहरों के राजहंस' की नायिका है।

29. उत्तर (घ) — 'ध्रुवस्वामिनी' (1933) प्रसाद का अंतिम पूर्ण नाटक है, पहला नहीं; उनका पहला नाटक 'सज्जन' माना जाता है। शेष तीनों कथन सत्य हैं।

30. उत्तर (घ) — श्रद्धा-भक्ति, लोभ और प्रीति, कविता क्या है – शुक्ल जी के 'चिंतामणि' में संकलित निबंध हैं। 'कुटज' हजारीप्रसाद द्विवेदी का ललित निबंध है।

31. उत्तर (ख) — यह सूक्ति शुक्ल जी के मनोविकार संबंधी निबंध 'क्रोध' में है; अर्थात् जब क्रोध लंबे समय तक मन में टिका रहता है, तब वह वैर बन जाता है।

32. उत्तर (ख) — कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह; रस-मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल; आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी; आस्था के चरण – डॉ. नगेंद्र।

33. उत्तर (ख) — यह परिभाषा डॉ. नगेंद्र की है। वाजपेयी जी ने छायावाद को 'आध्यात्मिक छाया का भान' और शुक्ल जी ने इसे मुख्यतः अभिव्यंजना की एक 'शैली' माना।

34. उत्तर (ख) — विष्णु प्रभाकर की 'आवारा मसीहा' बांग्ला कथाकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय की जीवनी है। 'कलम का सिपाही' (अमृतराय) और 'कलम का मज़दूर' (मदन गोपाल) प्रेमचंद पर हैं; 'निराला की साहित्य साधना' रामविलास शर्मा की रचना है।

35. उत्तर (क) — क्या भूलूँ क्या याद करूँ – बच्चन (आत्मकथा का पहला खंड); अपनी खबर – 'उग्र'; जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि (दलित आत्मकथा); मेरी जीवन यात्रा – राहुल सांकृत्यायन।

36. उत्तर (ग) — अतीत के चलचित्र, स्मृति की रेखाएँ, पथ के साथी और मेरा परिवार महादेवी वर्मा के रेखाचित्र-संस्मरण हैं। 'माटी की मूरतें' रामवृक्ष बेनीपुरी का रेखाचित्र-संग्रह है।

37. उत्तर (क) — 'चीड़ों पर चाँदनी' निर्मल वर्मा का यात्रावृत्त है। अज्ञेय के यात्रावृत्त 'अरे यायावर रहेगा याद' और 'एक बूँद सहसा उछली' हैं।

38. उत्तर (ख) — 'तूफ़ानों के बीच' रांगेय राघव का प्रसिद्ध रिपोर्ताज है। शिवदान सिंह चौहान का 'लक्ष्मीपुरा' (1938) हिंदी के आरंभिक रिपोर्ताजों में गिना जाता है; रेणु का 'ऋणजल धनजल' भी चर्चित है।

39. उत्तर (ग) — 'एक साहित्यिक की डायरी' मुक्तिबोध की कृति है, जिसमें डायरी-शैली में साहित्य और रचना-प्रक्रिया पर गंभीर विचार है। 'मोहन राकेश की डायरी' अलग कृति है।

40. उत्तर (ग) — 'मैं इनसे मिला' पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश' का भेंटवार्ता-संग्रह है, जिसमें उन्होंने अपने समय के अनेक साहित्यकारों से बातचीत प्रस्तुत की। इसे हिंदी इंटरव्यू विधा का महत्त्वपूर्ण आरंभिक ग्रंथ माना जाता है।

41. उत्तर (क) — 'बालसखा' (1917, इंडियन प्रेस, प्रयाग) हिंदी की प्रमुख आरंभिक बाल-पत्रिका थी। सरस्वती, माधुरी और हंस सामान्य साहित्यिक पत्रिकाएँ थीं।

42. उत्तर (क) — 'साधना' (1916) रायकृष्णदास का गद्यगीत (गद्यकाव्य) संग्रह है। वियोगी हरि (तरंगिणी), चतुरसेन शास्त्री (अंतस्तल) भी गद्यकाव्य के प्रमुख रचनाकार हैं।

43. उत्तर (ख) — डॉ. प्रशांत, कमली, बावनदास, बालदेव, लछमी आदि 'मैला आँचल' के पात्र हैं। 'सिरचन' रेणु की ही कहानी 'ठेस' का कारीगर पात्र है – यही इस प्रश्न का जाल है।

44. उत्तर (क) — 'गोदान' (1936) में होरी के जीवन के माध्यम से किसान की पूरी त्रासदी उभरती है; इसी व्यापकता के कारण इसे 'किसान-जीवन का महाकाव्य' कहा गया। अतः R, A की सही व्याख्या है।

45. उत्तर (ग) — भारत दुर्दशा (भारतेंदु) → चंद्रगुप्त (प्रसाद, 1931) → अंधा युग (धर्मवीर भारती, 1954) → आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश, 1958)।

46. उत्तर (क) — 'तुम चंदन हम पानी' विद्यानिवास मिश्र का निबंध-संग्रह है। द्विवेदी जी के संग्रह – अशोक के फूल, कल्पलता, कुटज, विचार और वितर्क आदि।

47. उत्तर (क) — 'प्रेमचंद और उनका युग' मार्क्सवादी आलोचक डॉ. रामविलास शर्मा का ग्रंथ है। उनकी अन्य कृतियाँ – निराला की साहित्य साधना, भारतेंदु युग, महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण आदि।

48. उत्तर (क) — 'कारवाँ' (1935) भुवनेश्वर का एकांकी-संग्रह है; उनके 'ताँबे के कीड़े' को हिंदी का प्रारंभिक असंगत (एब्सर्ड) एकांकी माना जाता है। डॉ. रामकुमार वर्मा का 'पृथ्वीराज की आँखें' भी इसी दौर का प्रसिद्ध संग्रह है।

खंड-ग : हिंदी पत्रकारिता

49. उत्तर (क) — 'उदंत मार्तंड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से जुगलकिशोर शुक्ल के संपादन में निकला; यह साप्ताहिक था, दैनिक नहीं। इसी तिथि की स्मृति में 30 मई को 'हिंदी पत्रकारिता दिवस' मनाया जाता है।

50. उत्तर (घ) — 'आनंद कादंबिनी' बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' ने निकाली थी। कविवचनसुधा (1868) – भारतेंदु; हिंदी प्रदीप (1877) – बालकृष्ण भट्ट; ब्राह्मण (1883) – प्रतापनारायण मिश्र।

51. उत्तर (घ) — 'सरस्वती' का प्रकाशन 1900 में इंडियन प्रेस, प्रयाग से आरंभ हुआ; 1903 से 1920 तक द्विवेदी जी इसके संपादक रहे। इसी के माध्यम से उन्होंने खड़ी बोली का परिष्कार किया और 'द्विवेदी युग' बना।

52. उत्तर (ख) — 'समाचार सुधावर्षण' (1854, कलकत्ता, संपादक श्यामसुंदर सेन) हिंदी का पहला दैनिक माना जाता है। यह द्विभाषी (हिंदी-बांग्ला) था। 2026 के PGT पेपर में भी इसी विषय पर प्रश्न आया था।

खंड-घ : काव्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)

53. उत्तर (ख) — भरतमुनि के रस-सूत्र "विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः" की व्याख्या – भट्ट लोल्लट (उत्पत्तिवाद), शंकुक (अनुमितिवाद), भट्टनायक (भुक्तिवाद), अभिनवगुप्त (अभिव्यक्तिवाद)।

54. उत्तर (क) — अलंकार संप्रदाय के प्रवर्तक भामह माने जाते हैं; कुंतक 'वक्रोक्ति संप्रदाय' के प्रवर्तक हैं (ग्रंथ – वक्रोक्तिजीवित)।

55. उत्तर (ग) — यहाँ अभिमन्यु-वध के बाद अर्जुन का क्रोध (स्थायी भाव) प्रकट है, तन का काँपना अनुभाव है; अतः रौद्र रस है। पंक्ति मैथिलीशरण गुप्त की 'जयद्रथ वध' से है।

56. उत्तर (ग) — 'पानी' शब्द एक ही बार में तीन अर्थ दे रहा है – मोती के लिए चमक, मनुष्य के लिए प्रतिष्ठा और चूने के लिए जल; अतः श्लेष अलंकार है। यमक में शब्द की आवृत्ति भिन्न अर्थों में होती है।

57. उत्तर (ख) — कारण (पैर, कान, हाथ) के अभाव में भी कार्य (चलना, सुनना, कर्म करना) का होना 'विभावना' है। इसके विपरीत, कारण होने पर भी कार्य न होना 'विशेषोक्ति' है।

58. उत्तर (ख) — सोरठा दोहे का उलटा है – विषम चरणों में 11 और सम चरणों में 13 मात्राएँ। दोहे में विषम चरणों में 13 और सम में 11 मात्राएँ होती हैं। बरवै में 12-7 मात्राएँ होती हैं।

59. उत्तर (क) — कुंडलिया = एक दोहा + एक रोला (6 चरण); जिस शब्द से आरंभ होता है, उसी पर समाप्त होता है। रोला + उल्लाला से 'छप्पय' बनता है।

60. उत्तर (ग) — चारों कथन सही हैं। लक्षणा की तीन शर्तें – मुख्यार्थ-बाध, मुख्यार्थ से संबंध और रूढ़ि या प्रयोजन। व्यंजना को ध्वनिवादी आनंदवर्धन आदि ने प्रतिष्ठित किया।

61. उत्तर (ग) — ओज गुण वीर, रौद्र और भयानक रसों में होता है – कठोर वर्ण, द्वित्व, संयुक्ताक्षर और लंबे समास इसकी पहचान हैं। माधुर्य में कोमल वर्ण और प्रसाद में सरलता होती है।

62. उत्तर (ग) — व्याकरण-विरुद्ध प्रयोग 'च्युतसंस्कृति' दोष है। कानों को कठोर लगने वाले वर्ण 'श्रुतिकटुत्व', गँवारू शब्द 'ग्राम्यत्व' और केवल शास्त्र में प्रचलित अर्थ का प्रयोग 'अप्रतीतत्व' दोष है।

63. उत्तर (क) — विरेचन (Catharsis) – अरस्तू; उदात्त (On the Sublime) – लोंजाइनस; वस्तुनिष्ठ समीकरण (Objective Correlative) – इलियट; Imagination–Fancy का भेद – कॉलरिज।

64. उत्तर (ग) — आनंदवर्धन (ध्वन्यालोक) ने "काव्यस्यात्मा ध्वनिः" कहा – A सही है। कुंतक ने वक्रोक्ति को काव्य का जीवित (प्राण) माना, ध्वनि को नहीं – अतः R गलत है।

खंड-ङ : भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा

65. उत्तर (ग) — पश्चिमी हिंदी की बोलियाँ – खड़ी बोली, ब्रजभाषा, हरियाणवी, बुंदेली और कन्नौजी। अवधी पूर्वी हिंदी की बोली है (बघेली और छत्तीसगढ़ी के साथ)।

66. उत्तर (क) — बिहारी उपभाषा के अंतर्गत भोजपुरी, मगही और मैथिली आती हैं। भोजपुरी पूर्वी उत्तर प्रदेश (वाराणसी, गोरखपुर आदि) और पश्चिमी बिहार में बोली जाती है।

67. उत्तर (ग) — वर्गों के चौथे वर्ण सघोष (नाद युक्त) और महाप्राण (अधिक प्राण-वायु) होते हैं। तीसरे वर्ण (ग, ज, ड, द, ब) सघोष अल्पप्राण तथा दूसरे वर्ण (ख, छ, ठ, थ, फ) अघोष महाप्राण हैं।

68. उत्तर (घ) — 'व' का उच्चारण निचले होंठ और ऊपरी दाँतों के स्पर्श से होता है, अतः यह दंतोष्ठ्य है, कंठ्य नहीं। श – तालव्य, ष – मूर्धन्य, स – दंत्य सही हैं।

69. उत्तर (ख) — देवनागरी ब्राह्मी की उत्तरी शैली से विकसित, बाएँ से दाएँ लिखी जाने वाली आक्षरिक लिपि है। इसमें कैपिटल-स्मॉल का भेद नहीं होता – कथन IV असत्य है।

70. उत्तर (क) — जब शब्द का अर्थ अच्छे से हीन (बुरा) हो जाए, तो उसे अर्थापकर्ष कहते हैं। इसके विपरीत 'साहस' जैसे शब्दों का अर्थ हीन से श्रेष्ठ होना अर्थोत्कर्ष है।

खंड-च : हिंदी व्याकरण

71. उत्तर (घ) — उत् + ज्वल = उज्ज्वल (व्यंजन संधि) – 'त्' के बाद 'ज' आने पर 'त्' का 'ज्' हो जाता है। इसी प्रकार सत् + जन = सज्जन।

72. उत्तर (ख) — भावुक = भौ + उक (औ + उ = आव्) होता है। नयन (ए + अ = अय्), पवित्र (ओ + इ = अव्), नाविक (औ + इ = आव्) – ये तीनों अयादि संधि के सही उदाहरण हैं।

73. उत्तर (ख) — द्विगु में पहला पद संख्यावाचक होता है – त्रिलोक, नवरात्र, चौराहा। 'नीलकमल' (नीला है जो कमल) विशेषण-विशेष्य संबंध वाला कर्मधारय समास है।

74. उत्तर (घ) — चक्र है पाणि (हाथ) में जिसके, अर्थात् विष्णु – यहाँ दोनों पद मिलकर किसी तीसरे (अन्य) पद की ओर संकेत करते हैं, अतः बहुव्रीहि समास है।

75. उत्तर (ख) — अभ्यागत = अभि + आ + गत (दो उपसर्ग)। अभियोग (अभि), प्रयोग (प्र), अनुराग (अनु) में एक-एक उपसर्ग है।

76. उत्तर (ग) — 'इया' प्रत्यय लघुता बताने वाला (ऊनवाचक) है – डिबिया, खटिया, लुटिया। आहट, पन और आस से भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं।

77. उत्तर (घ) — 'हस्त' का तद्भव 'हाथ' है; 'हाथी' का तत्सम 'हस्ती' है। शेष युग्म सही हैं।

78. उत्तर (ग) — 'जलद' (जल देने वाला) बादल का पर्याय है। पंकज (कीचड़ में उत्पन्न), सरोज (सरोवर में उत्पन्न), जलज (जल में उत्पन्न) कमल के पर्याय हैं।

79. उत्तर (ग) — 'अनुलोम' का विलोम 'प्रतिलोम' है; 'प्रतिकूल' का विलोम 'अनुकूल' है।

80. उत्तर (घ) — गगनचुंबी = आकाश को चूमने वाला (बहुत ऊँचा)। नभचर = आकाश में विचरण करने वाला; व्योमकेश = शिव; आकाशवृत्ति = अनिश्चित आजीविका वाला।

81. उत्तर (क) — 'गूलर का फूल होना' का अर्थ है – दुर्लभ होना (जो दिखाई ही न दे)। शेष युग्म सही हैं।

82. उत्तर (ख) — खेती सूख जाने के बाद वर्षा किस काम की – अर्थात् समय निकल जाने पर सहायता या साधन का कोई मूल्य नहीं रहता। यह तुलसीदास की चौपाई का अंश है।

83. उत्तर (ग) — 'मैंने उसे एक पुस्तक दिया' अशुद्ध है – पुस्तक स्त्रीलिंग है, अतः 'पुस्तक दी' होगा; 'कृपया... कृपा करें' में पुनरुक्ति है; 'प्रातःकाल के समय' में 'काल' और 'समय' की पुनरुक्ति है। अतः केवल 'पिताजी कल दिल्ली जाएँगे' शुद्ध है।

84. उत्तर (ख) — शुद्ध रूप – महत्त्व, उज्ज्वल, अनधिकार, संन्यासी। 'महत्त्व' में 'त्' + 'त्व' दोनों आते हैं (महत् + त्व)।

85. उत्तर (ग) — अलग होने का भाव अपादान कारक है – पत्ते पेड़ से अलग हो रहे हैं। बाण से, बस से (साधन) करण कारक है; 'मोहन से पढ़ा नहीं जाता' में 'से' कर्ता के साथ भाववाच्य में आया है।

86. उत्तर (घ) — अकर्मक क्रिया (चलना) का प्रयोग, क्रिया पर भाव की प्रधानता और कर्ता के साथ 'से' – ये भाववाच्य की पहचान हैं। भाववाच्य में क्रिया सदा अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन में रहती है।

87. उत्तर (क) — मानक हिंदी में 'दही' पुल्लिंग है – "दही खट्टा है।" चाय, आत्मा और सरसों स्त्रीलिंग हैं।

88. उत्तर (घ) — इसमें एक प्रधान उपवाक्य (वह सफल होता है) और एक आश्रित विशेषण उपवाक्य (जो परिश्रम करता है) है; 'जो–वह' संबंधवाचक से जुड़ने के कारण यह मिश्र वाक्य है।

खंड-छ : संस्कृत साहित्य

89. उत्तर (घ) — स्वप्नवासवदत्तम् – भास; मुद्राराक्षसम् – विशाखदत्त; मृच्छकटिकम् – शूद्रक; उत्तररामचरितम् – भवभूति।

90. उत्तर (क) — 'किरातार्जुनीयम्' भारवि का महाकाव्य है। कालिदास की रचनाएँ – रघुवंशम्, कुमारसंभवम् (महाकाव्य); मेघदूतम्, ऋतुसंहारम् (खंडकाव्य); अभिज्ञानशाकुंतलम्, विक्रमोर्वशीयम्, मालविकाग्निमित्रम् (नाटक)।

91. उत्तर (घ) — उक्ति के अनुसार उपमा – कालिदास, अर्थगौरव – भारवि, पदलालित्य – दंडी की विशेषता है, और माघ में ये तीनों गुण एक साथ मिलते हैं।

92. उत्तर (घ) — पहले तीन कथन सही हैं – 'कादंबरी' कथा है और 'हर्षचरितम्' आख्यायिका। 'दशकुमारचरितम्' दंडी की गद्य-रचना है, अतः कथन IV असत्य है।

93. उत्तर (ग) — 'किरातार्जुनीयम्' भारवि का महाकाव्य है (महाभारत के वनपर्व पर आधारित)। माघ का महाकाव्य 'शिशुपालवधम्' है।

94. उत्तर (ख) — भवभूति ने 'उत्तररामचरितम्' में करुण को ही एकमात्र मूल रस माना है, जो निमित्त के भेद से अलग-अलग रूपों में प्रकट होता है। उत्तररामचरित का प्रधान रस करुण है।

95. उत्तर (क) — अभिज्ञानशाकुंतलम् सात अंकों का नाटक है। इसकी प्रशंसा में कहा गया – "काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला।" मृच्छकटिकम् दस अंकों का प्रकरण है।

खंड-ज : संस्कृत व्याकरण

96. उत्तर (घ) — अकारांत पुल्लिंग 'राम' – तृतीया : रामेण, रामाभ्याम्, रामैः। रामेभ्यः (चतुर्थी/पंचमी बहुवचन), रामाणाम् (षष्ठी बहुवचन), रामेषु (सप्तमी बहुवचन)।

97. उत्तर (क) — लृट् लकार भविष्यत् काल के लिए है – पठिष्यति, पठिष्यतः, पठिष्यन्ति। पठति (लट्), अपठत् (लङ्), पठतु (लोट्)।

98. उत्तर (घ) — इति + आदि = इत्यादि – 'इ' के बाद भिन्न स्वर 'आ' आने पर 'इ' का 'य्' हो गया; अतः यण् संधि है। इसी प्रकार प्रति + एकम् = प्रत्येकम्।

99. उत्तर (ख) — कर्ता 'बालकः' प्रथमा में, गति-अर्थ वाली धातु के योग में गंतव्य 'विद्यालयम्' द्वितीया में और क्रिया 'गच्छति' लट् लकार प्रथम पुरुष एकवचन में होगी।

100. उत्तर (ग) — "नमः स्वस्तिस्वाहास्वधालंवषडयोगाच्च" सूत्र के अनुसार नमः, स्वस्ति, स्वाहा आदि के योग में चतुर्थी होती है – जैसे 'गुरवे नमः', 'श्रीगणेशाय नमः'।

हिंदी साहित्य चैनल स्टोर

आपकी तैयारी के लिए हमारे अन्य उपयोगी नोट्स और ई-बुक

UP TGT / PGT हिंदी

UP TGT हिंदी बुक PDF – संपूर्ण कोर्स	TGT हिंदी का पूरा पाठ्यक्रम संक्षिप्त नोट्स में, साथ में एक मेगा मॉक टेस्ट	यहाँ क्लिक करें »
UP TGT हिंदी मॉक टेस्ट – 10 प्रैक्टिस सेट	1000 प्रश्न, OMR, उत्तर-कुंजी और हर प्रश्न की व्याख्या सहित	यहाँ क्लिक करें »

UGC NET / JRF हिंदी

UGC NET/JRF हिंदी (पेपर 2) कंप्लीट कॉम्बो नोट्स	सभी 10 इकाइयों के संपूर्ण नोट्स	यहाँ क्लिक करें »
UGC NET/JRF हिंदी टेस्ट सीरीज़	33 टेस्ट पेपर, 1500+ प्रश्न	यहाँ क्लिक करें »
UGC NET पेपर 1 कॉम्बो नोट्स (हिंदी माध्यम)	पेपर 1 की सभी 10 इकाइयाँ	यहाँ क्लिक करें »

हिंदी साहित्य प्रश्नोत्तरी (MCQ)

आदिकाल – प्रश्नोत्तरी	आदिकाल पर कठिन स्तर के MCQ, व्याख्या सहित	यहाँ क्लिक करें »
भक्तिकाल – प्रश्नोत्तरी	भक्तिकाल की सभी धाराओं पर 1000+ MCQ	यहाँ क्लिक करें »
रीतिकाल – प्रश्नोत्तरी	रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त – सब पर MCQ	यहाँ क्लिक करें »
आधुनिक काल (काव्य + गद्य) – प्रश्नोत्तरी	आधुनिक काव्य और गद्य विधाओं पर 2500+ MCQ	यहाँ क्लिक करें »

नोट्स

गद्य विधाएँ नोट्स	उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध आदि सभी गद्य विधाएँ	यहाँ क्लिक करें »
प्रसिद्ध पंक्तियाँ और महत्त्वपूर्ण कथन	आदिकाल से आधुनिक काल तक की चर्चित पंक्तियाँ और आलोचकों के कथन	यहाँ क्लिक करें »
हिंदी व्याकरण संपूर्ण नोट्स	प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पूरा हिंदी व्याकरण	यहाँ क्लिक करें »

विशेष ऑर्डर पर नोट्स

हमारी टीम RPSC, TGT, PGT, UPSC, NET/JRF आदि किसी भी परीक्षा के लिए आपकी आवश्यकता के अनुसार हिंदी नोट्स तैयार करती है।

संपर्क करें – WhatsApp : 9680260474

सभी प्रोडक्ट और डेमो देखें : store.hindisahity.com

YouTube : @Hindisahityachannel • **Telegram :** t.me/hindisahitychannel